This question paper contains 4 printed pages.

6626

Your Roll No. ....
आपका अनुक्रमांक

M.A. / II **J**

HISTORY— GROUP C – COURSE 2

[Economy and Society in India (*c.* 1750–1850)]

Time : 3 hours *Maximum Marks* : 75

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

NOTE:— *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— *इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

Attempt any ***four*** *questions.*
All questions carry equal marks.

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. How far is Edward Said's concept of "orientalism" useful in understanding the cultural and intellectual

encounter between the British and the Indians in the period under study?

अध्ययनांतर्गत कालावधि मे ब्रिटिश और भारतीयों के बीच सांस्कृतिक और बौद्धिक समागम के बोध के लिए एडवर्ड सैड की 'प्राच्यवाद' की संकल्पना कहाँ तक उपयोगी है ?

2. What were the main issues involved in the orientalist and anglicist controversy on educational policy? Do you think that they were completely and satisfactorily resolved in 1835?

शिक्षा नीति पर प्राच्य-आंग्लिक विवाद में समाहित प्रमुख मुद्दे क्या थे ? आपके विचार में क्या 1835 में इनका पूर्ण और संतोषजनक समाधान हो गया था ?

3. What led to the abolition of Sati Pratha in 1829? How would you account for the shifting positions on the issue by the colonial officials and different sections of the intelligentsia?

1829 में सती प्रथा के उन्मूलन के लिए क्या कारण थे ? इस मुद्दे पर उपनिवेशी अधिकारियों और बुद्धिजीवियों के विभिन्न वर्गों के अस्थिर रुख के लिए आप क्या कारण प्रस्तुत करेंगे ?

4. How would you characterize the colonial legal system that came into being during the period under study?

अध्ययनांतर्गत कालावधि के दौरान अस्तित्व में आने वाली उपनिवेशी विधिक प्रणाली को आप किस प्रकार वर्णित करेंगे ?

5. In the light of recent researches on the issue of "deindustrialization" discuss the trajectory of the handloom industry and the experience of the weavers of Bengal and South East India in the period under study.

'विउद्योगीकरण' के मुद्दे पर हाल के अनुसंधानों को ध्यान में रखते हुए अध्ययनांतर्गत कालावधि में हथकरघा उद्योग के प्रक्षेप-पथ बंगाल तथा दक्षिण पूर्व भारत के बुनकरों के अनुभव का विवेचन कीजिए।

6. What were the significant features of the process of commercialization of agriculture in India in the period under study? Do you think "forced commerce" is an adequate category for understanding the process?

अध्ययनांतर्गत कालावधि में भारत में कृषि के वाणिज्यीकरण की प्रक्रिया के महत्त्वपूर्ण अभिलक्षण क्या थे? आपके विचार में क्या इस प्रक्रिया के बोध के लिए 'बाध्य वाणिज्य' एक उपयुक्त कोटि है?

7. Analyse the shifts in the composition and direction of foreign trade of India in the period under study. How would you explain the persistent positive balance of payments in India's favour for the whole period?

अध्ययनांतर्गत कालावधि में भारत के विदेशी व्यापार के संघटन और दिशा में परिवर्तनों का विश्लेषण कीजिए। संपूर्ण कालावधि के लिए भारत के पक्ष में निरन्तर सकारात्मक भुगतान-शेष के लिए आप क्या स्पष्टीकरण देंगे?

8. Write an essay on the system of agrarian servitude prevailing in India with special reference to the system in Eastern and Western India. Did the "delegalisation" of slavery in 1843 have a significant impact on the system?

पूर्वी और पश्चिमी भारत के विशेष संदर्भ में भारत में प्रचलित कृषिक दासता प्रणाली पर एक निबंध लिखिए। क्या 1843 में दासता के 'अवैधीकरण' का इस प्रणाली पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ा था ?

★